

## ବିଭାସ । ଚୌତଳ

ଓଠୋ ଓଠୋ ରେ— ବିକଲେ ପ୍ରଭାତ ବହେ ଯାଯ ଯେ ।  
ମେଲୋ ଝାଖି, ଜାଗୋ ଜାଗୋ, ଥେକେ ନା ରେ ଅଚେତନ ॥  
ମକଲେଇ ତୀର କାଜେ ଧାଇଲ ଜଗତମାରେ,  
ଜାଗିଲ ପ୍ରଭାତବାୟୁ, ଭାତୁ ଧାଇଲ ଆକାଶପଥେ ॥  
ଏକେ ଏକେ ନାମ ଧରେ ଡାକିଛେନ ବୁଝି ପ୍ରଭୁ—  
ଏକେ ଏକେ ଫୁଲଙ୍ଗଲି ତାଇ କୁଟିଆ ଉଠିଛେ ବନେ ।  
ଶୁନ ସେ ଆହ୍ଵାନବାଣୀ, ଚାହୋ ମେଇ ମୁଖପାନେ—  
ତୀହାର ଆଶିସ ଲାଯେ ଚଲୋ ରେ ଯାଇ ସବେ ତୀର କାଜେ ॥

|    |    |    |    |    |     |    |    |     |    |    |     |    |     |     |   |    |     |    |
|----|----|----|----|----|-----|----|----|-----|----|----|-----|----|-----|-----|---|----|-----|----|
| II | ଧ  | -  | ।  | ପା | -   | ।  | ଗା | ରା  | ।  | ମା | -   | ।  | ମା  | ରା  | । | ଗା | ରା  | I  |
|    | ও  | •  | ଠେ | •  | ଓ   | ଠେ | ଓ  | ରେ  | •  | ବି | ଫ   | ଲେ | ପ୍ର |     |   |    |     |    |
| I  | ମା | ନ  | ।  | ଧ  | ପା  | ।  | ପା | ରା  | ।  | ମା | -   | ।  | ମା  | ରା  | । | ଗା | ପା  | I  |
|    | ଭା | ତ  | ବ  | ବ  | ହେ  | ଯ  | ଯ  | ଯ   | ମେ | •  | ମେ  | ମେ | ଲୋ  | ଝି  |   |    |     |    |
| I  | ପା | ଧ  | ।  | ଧୀ | ରୀ  | ।  | ପା | ଧୀ  | ।  | ଧ  | ପା  | ।  | ଗା  | ରା  | । | ମା | -ରା | II |
|    | ଜା | ଗୋ | ଅ  | ଗୋ | ଧେ  | କୋ | ନା | ରେ  | ଅ  | ଚେ | ଅ   | ଚେ | ତ   | ନ   |   |    |     |    |
| II | ପା | ଧ  | ।  | ଧ  | ରୀ  | ।  | ରୀ | ରୀ  | ।  | ରୀ | ରୀ  | ।  | ରୀ  | ରୀ  | । | ରୀ | ରୀ  | I  |
|    | ମ  | କ  | ଲେ | ଇ  | ତୀ  | ର  | କା | ଜେ  | ଧା | ହ  | ହ   | ହ  | ଲ   | ଜ   |   |    |     |    |
| I  | ରୀ | ରୀ | ।  | ନା | ଧ   | ।  | ପା | ଧ   | ।  | ରୀ | ରୀ  | ।  | ନା  | ଧନୀ | । | ଧ  | ପା  | I  |
|    | ଗ  | ତ  | ମୀ | ବେ | ଜା  | ଗି | ଲ  | ପ୍ର | ଭା | ତେ | ଭା  | ତେ | ତେ  | ମୁ  |   |    |     |    |
| I  | ଧ  | ରୀ | ।  | ରୀ | -ରୀ | ।  | ଧ  | ପା  | ।  | ଗା | ଗପା | ।  | ଗା  | ରା  | । | ମା | ରା  | II |
|    | ତ  | •  | ହୁ | •• | ଧା  | ଇ  | ଲ  | ଅ   | କା | ଶ  | ଶ   | ଶ  | ପ   | ଦେ  |   |    |     |    |

II { সাৱা | রাৱা | গাৱা | গাৱা | গাৱা | গাৱা | গধাৱা | গধাৱা -পা }  
 একে একেও নাম্বুধৰে ডাকি ছেওন্মু

I গাৱা | গৱাৱা | পাধা | ধৰাৰ্সা | নাৰ্ধনা | ধাৰ্ধলি

I ধাৰ্হা | সাৰ্সা-নৰ্সা | ধাৰ্পা | গাৰ্পা | গাৰ্গা | রাৰ্সা } I  
 তাৰ্হা ইৰ্হা ফুটি যাৰ্টি চেষ্টি বেমে

I পাধা | ধাৰ্সা | সাৰ্সা | সাৰ্সা | সাৰ্সা | সাৰ্সা | রাৰ্সা | রাৰ্গা I  
 ওম মেআ শ্বাম বাৰ্ণি চাহে সেই

I রাৰ্সা | নাৰ্ধা | পাৰ্ধা | ধৰাৰ্সা | নাৰ্ধনা | ধাৰ্ধপা I  
 মুগ্ধপা মেঝা তাৰ্হা বাৰ্ধা আশি সৰ্মসূল ঘৰে

I ধাৰ্হা | সাৰ্সা-নৰ্সা | ধাৰ্পা | গাৰ্পা | গাৱা | সাৱা II II  
 চলো রেৰে ইৰ্হা সম্বে ডাবৰ কাজে